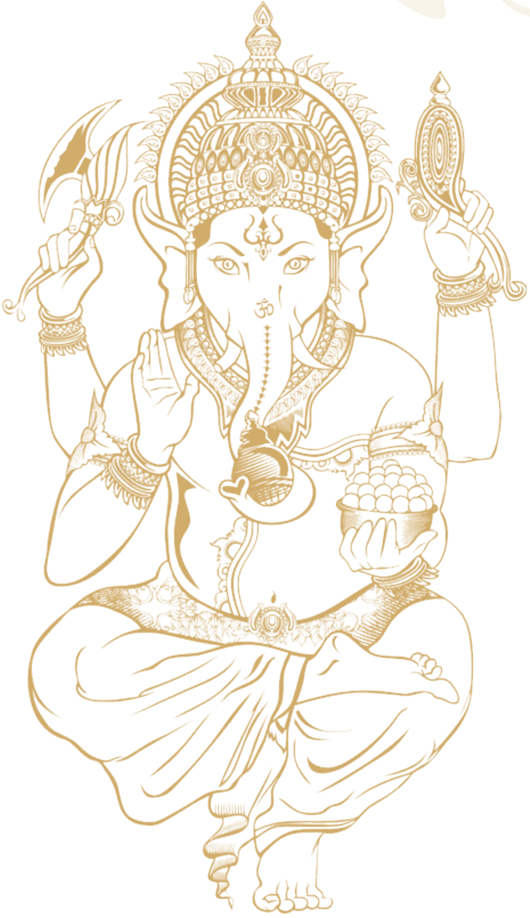

Mahi

30 Aug 2008

12:50 PM

Ballabgarh

Model: web-freekundliweb **Order No: 120937108**

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **30/08/2008**
दिन	: शनिवार
जन्म समय	: **12:50:00 घंटे**
इष्ट	: 17:09:39 घटी
स्थान	: **Ballabgarh**
राज्य	: Haryana
देश	: India

अक्षांश	: 28:20:00 उत्तर
रेखांश	: 77:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:20:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 12:29:16 घंटे
वेलान्तर	: -00:00:35 घंटे
साम्पातिक काल	: 11:04:42 घंटे
सूर्योदय	: 05:58:08 घंटे
सूर्यास्त	: 18:43:52 घंटे
दिनमान	: 12:45:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 13:18:41 सिंह
लग्न के अंश	: 11:57:06 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	: **सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	: **मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	: केतु
योग	: शिव
करण	: चतुष्पाद
गण	: राक्षस
योनि	: मूषक
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: वनचर
वर्ग	: मूषक
युँजा	: मध्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: मी-मीनाक्षी
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	11:57:06	309:14:47	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
सूर्य			सिंह	13:18:41	00:58:02	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मूलत्रिकोण
चंद्र			सिंह	06:36:34	13:45:52	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल			कन्या	12:59:24	00:38:43	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
बुध			कन्या	07:38:31	01:21:07	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	उच्च राशि
गुरु	व		धनु	18:40:42	00:01:42	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र			कन्या	05:38:33	01:13:36	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	नीच राशि
शनि		अ	सिंह	17:20:07	00:07:33	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	शत्रु राशि
राहु	व		मक	24:34:16	00:00:52	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	24:34:16	00:00:52	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	27:14:14	00:02:18	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
नेप	व		मक	28:28:05	00:01:34	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
प्लूटो	व		धनु	04:32:24	00:00:18	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			सिंह	21:00:23	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:53

लग्न-चलित

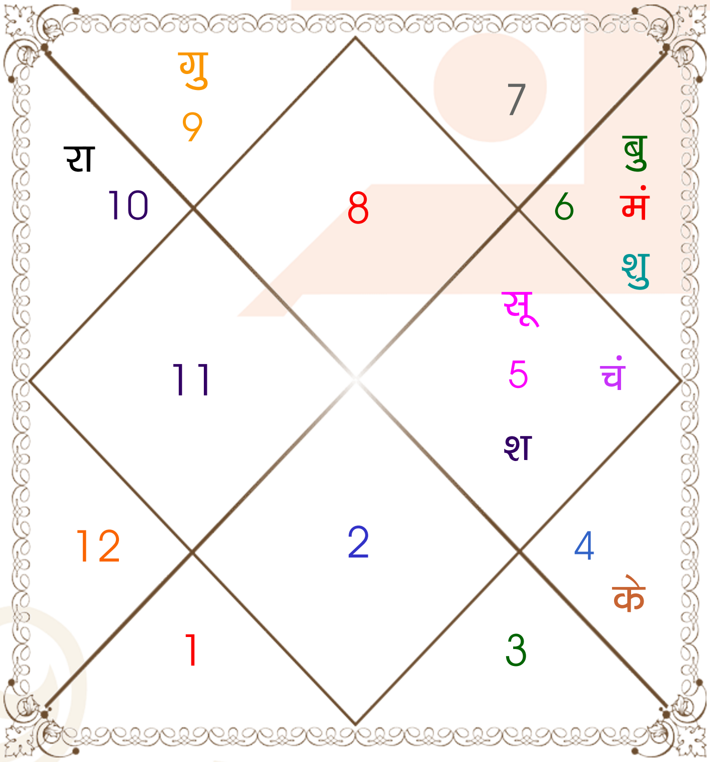

चन्द्र कुंडली

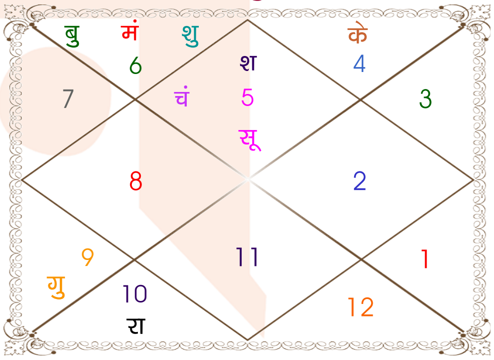

नवमांश कुंडली

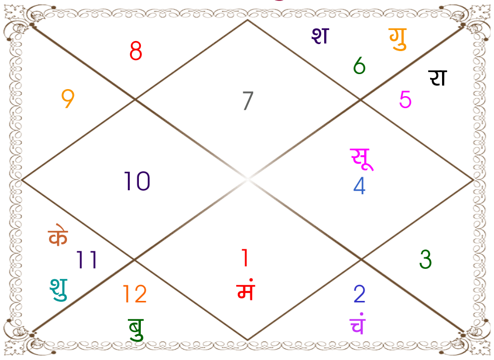

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 6 मास 10 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
30/08/2008		11/03/2012		11/03/2032		12/03/2038		11/03/2048	
11/03/2012		11/03/2032		12/03/2038		11/03/2048		12/03/2055	
	00/00/0000	शुक्र	12/07/2015	सूर्य	29/06/2032	चंद्र	10/01/2039	मंगल	08/08/2048
	00/00/0000	सूर्य	11/07/2016	चंद्र	29/12/2032	मंगल	11/08/2039	राहु	26/08/2049
	00/00/0000	चंद्र	12/03/2018	मंगल	05/05/2033	राहु	09/02/2041	गुरु	02/08/2050
	00/00/0000	मंगल	12/05/2019	राहु	30/03/2034	गुरु	11/06/2042	शनि	11/09/2051
	30/08/2008	राहु	12/05/2022	गुरु	16/01/2035	शनि	10/01/2044	बुध	07/09/2052
राहु	27/02/2009	गुरु	10/01/2025	शनि	29/12/2035	बुध	11/06/2045	केतु	03/02/2053
गुरु	03/02/2010	शनि	11/03/2028	बुध	04/11/2036	केतु	10/01/2046	शुक्र	05/04/2054
शनि	15/03/2011	बुध	10/01/2031	केतु	12/03/2037	शुक्र	11/09/2047	सूर्य	11/08/2054
बुध	11/03/2012	केतु	11/03/2032	शुक्र	12/03/2038	सूर्य	11/03/2048	चंद्र	12/03/2055

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/03/2055		12/03/2073		12/03/2089		12/03/2108		13/03/2125	
12/03/2073		12/03/2089		12/03/2108		13/03/2125		00/00/0000	
राहु	22/11/2057	गुरु	30/04/2075	शनि	14/03/2092	बुध	09/08/2110	केतु	09/08/2125
गुरु	17/04/2060	शनि	10/11/2077	बुध	23/11/2094	केतु	06/08/2111	शुक्र	09/10/2126
शनि	22/02/2063	बुध	16/02/2080	केतु	01/01/2096	शुक्र	06/06/2114	सूर्य	14/02/2127
बुध	10/09/2065	केतु	22/01/2081	शुक्र	03/03/2099	सूर्य	13/04/2115	चंद्र	15/09/2127
केतु	29/09/2066	शुक्र	23/09/2083	सूर्य	13/02/2100	चंद्र	11/09/2116	मंगल	11/02/2128
शुक्र	29/09/2069	सूर्य	11/07/2084	चंद्र	14/09/2101	मंगल	08/09/2117	राहु	31/08/2128
सूर्य	23/08/2070	चंद्र	10/11/2085	मंगल	24/10/2102	राहु	28/03/2120		00/00/0000
चंद्र	22/02/2072	मंगल	17/10/2086	राहु	30/08/2105	गुरु	03/07/2122		00/00/0000
मंगल	12/03/2073	राहु	12/03/2089	गुरु	12/03/2108	शनि	13/03/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 6 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के तृतीय चरण में वृश्चिक लग्न के उदयकाल में हुआ था। आपका जन्म तुला नवमांश एवं मीन के द्रेष्काण के प्रभाव से लग्न का प्रभाव अति उच्चाकांक्षी एवं प्रभावशाली प्रतीत होता है एवं सूचित करता है कि आप मात्र निष्कपट प्राणी ही नहीं है, बल्कि आप सर्वथा धनी एवं संभव वैदेशिक परिभ्रमण परिदर्शनार्थी होंगी। आपमें धूमने फिरने की उत्कट लालशा विद्यमान है। आपको कतिपय वैदेशिक भूमि का परिभ्रमण क्रम में कार्य-व्यवसाय की अनुकूलता की संभावनाओं के कारण विदेश में अपना निवास भी बना सकती हैं।

आप अपने जीवन के उद्देशियत कार्य संपादन हेतु समर्थ होंगी। आप अच्छी प्रकार यह जानती हैं कि लोगों के द्वारा किस प्रकार कुछ भी प्राप्त किया जाता है। आप किसी के साथ भी सन्निकटता प्राप्त करने में मास्टर है तथा शक्ति एवं अधिकृत पद प्राप्त कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय में कैसे उन्नति कर सकती हैं इस युक्ति पर आपको पूर्ण आस्था है। साथ ही आप चिकनी चुपड़ी एवं मीठी-मीठी बातें कर जनसामान्य को अपने वाक्य जाल में फंसा कर अपने प्रति विश्वासी बना लेती हैं। वास्तविकता तो यह है कि आप बाहर से और तथा अंदर हृदय से कुछ और है। आपके वाह्याचरण एवं अंतरंगता में भिन्नता है।

आप अपनी कार्य योजना के गुप्त रहस्यों को स्वयं जानती हो क्योंकि आप अपने अनुकूल समर्थ किसी अन्य को नहीं समझती। इससे आपको आश्चर्यजनक अनुकूलता प्राप्त होती है तथा अकस्मात् उछलकर अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए सुगमतापूर्वक कार्य संपादन कर लेती हैं।

आप में व्यक्तिगत रूप से उच्च महत्वकांक्षा विद्यमान हैं। आपका मुख्य उद्देश्य धन प्राप्त करना है। आप अपनी उपलब्धि के प्रति अपने मस्तिष्क में कोई बल नहीं देती। अर्थात् कोई विशेष चिंतनशील नहीं बनती हैं।

यदि ऐसी परिस्थिति आ जाय कि कोई व्यक्ति अनैतिकपूर्ण आचरण अर्थात् बेईमानी करें तो उसके प्रति प्रतिशोधात्मक रवैया अपनाकर, उसे प्रताड़ित करने अर्थात् सताने लगती हैं। यदि एक बार आप हिंसक प्रवृति अपना लेती है तो फिर आप जहरीले बिच्छू की भांति सतत् उस व्यक्ति को संतप्त करती रहती हैं।

आप भूमि से संबंधित व्यवसाय कर सकती हैं। यथा कृषिकार्य, खदान में खनिज खनन का कार्य, भूमि के नीचे अभियंत्रिकी कार्य आदि जो आपको उपयुक्त लगे वह कार्य कर सकती हैं। आप अभिनय कार्य अथवा कलाभवन अर्थात् साज-शय्या संबंधी कार्य में विशिष्टता प्राप्त कर सकती हैं।

आप परिवारिक जीवन से युक्त रहने को महत्त्व देती हैं। आप अपने प्यारे पति एवं समझदार अर्थात् उदीयमान पुत्र से युक्त अपना परिवारिक जीवन यापन हेतु उत्सुक रहती हैं।

आप अपनी आगामी कार्य योजना की अच्छी शुरुआत हेतु आश्वस्त रहती हैं। आप

अपनी जीवन संगी की उपुयक्ता हेतु जिसका जन्म बृश्चिक, मीन, कर्क, कन्या, मकर अथवा बृष राशि में हुआ है वह जीवन संगी आपके लिए अच्छा रहेगा। तब आप उस पति को अपने योग्य चयन कर सकती हैं जो आपको अच्छी संतान एवं सुखमय परिवार का आनंद दे सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग जो जीवन में अनिवार्यता की भूमिका प्रदान कर सके। उस रंग यथा पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंगों का चयन एवं पसंद कर सकती हैं परंतु सफेद रंग, हरा एवं नीला रंग अनुपयुक्त एवं त्याज्यनीय है।

अंकों में 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक आपके लिए अनुकूल है, परंतु 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुपयुक्त है।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।